Publication	Hindustan	Language	Hindi
Edition	New Delhi	Journalist	Bureau
Date	21/05/2024	Page no	9
CCM	85.22		

PACS will be formed in every gram panchayat: Shah

गृह मंत्री ने कहा- सहकारी समितियों को सशक्त बनाकर लाखों नए रोजगार के अवसर पैदा होंगे

हर ग्राम पंचायत में पैक्स गठित होगा:शाह

एक्सक्लूसिव

नई दिल्ली, विशेष संवाददाता। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि सहकारिता आंदोलन देश में नया रूप ले रहा है। प्राइमरी एग्रीकल्चर क्रेडिट सोसायटी (पैक्स) को आर्थिक रूप से सशक्त बनाकर इसके जरिए लाखों रोजगार के नए अवसर पैदा करने की मुहिम शुरू की गई है। साथ ही छोटी पूंजी से व्यापार के सपने को साकार करने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि अब हर ग्राम पंचायत में पैक्स का गठन करने की योजना है।

गृहमंत्री शाह ने 'हिन्दुस्तान' से एक्सक्लूसिव बातचीत में सहकारी समितियों के पुनरुद्धार का खाका पेश करते हुए कहा, अगले तीन साल में देश में दो लाख नए पैक्स बनाए जाएंगे। सहकारिता मंत्रालय बनने के बाद से इस क्षेत्र में बदलाव की मजबूत बुनियाद रखी जा चुकी है।

80 करोड़ लोगों को राशन : शाह ने कहा कि मोदी सरकार में 80 करोड़ लोगों को राशन दिया जा रहा है। चार करोड़ लोगों को घर और 32 करोड़ लोगों को आयुष्मान भारत का लाभ मिला। इन सभी योजनाओं से देश के करोड़ों लोगों की पूंजी बची। आज करोड़ों लोगों के पास बचत पूंजी है, पर यह पूंजी इतनी बड़ी नहीं है कि कोई बड़ा व्यापार कर सके। कोऑपरेटिव सोसायटी ही एकमात्र जरिया है, जिसके माध्यम से बड़े व्यापार के सपने को पूरा किया जा सकता है। कानूनी प्रशासनिक जटिलताओं से मौजूदा मरणासन्न पड़े पैक्स को भी पुनर्जीवित किया जाएगा।

गुजरात में 33 लाख बहनें सहकारिता से जुड़ीं

शाह ने गुजरात में सहकारिता क्षेत्र से हो रहे फायदे का उदाहरण देते हुए कहा कि करीब 33 लाख बहनें इससे जुड़ी हैं। उनका सिर्फ सौ रुपये का योगदान है, लेकिन सबके परिवार में 15 से 20 हजार आते हैं। 60 हजार करोड़ का टर्नओवर है। 22 प्रकार की नई व्यवस्था को पैक्स से जोड़ा गया है। एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटरशिप, पेट्रोल पंप, सीएससी सेंटर, सस्ते अनाज की दुकान, सस्ती दवाई की दुकान, गोदाम बनाना आदि इसमें शामिल है।

कोऑपरेटिव सोसायटी

शाह ने कहा कि अमूल जैसी तीन नई कोऑपरेटिव सोसायटी बनाई गई हैं। इसमें एक ऑर्गेनिक फूड के लिए है। ऑर्गेनिक फूड का काम करने वाला इसके माध्यम से ब्रांडिंग, टेस्टिंग, मार्केटिंग, एक्सपोर्ट सब कुछ कर सकता है। दूसरी कोऑपरेटिव सोसायटी बीज के उत्पादन से जुड़ी है। अब ढाई एकड़ भूमि वाले किसान भी इसके जरिए जुड़ सकते हैं।

झज्जर में सोमवार को महाविजय संकल्प रैली के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह व अन्य भाजपा नेता। • मनोज ढाका

पैक्स का पूरी तरह से कम्प्यूटरीकरण

शाह ने बताया कि अभी भी बासमती का एक्सपोर्ट होता है, लेकिन फायदा केवल बड़े किसानों को मिलता है। अब छोटे किसान भी इससे जुड़ेंगे। अमूल के पैटर्न पर खर्च काटकर लाभ का पैसा प्रति किलोग्राम के हिसाब से किसान को देंगे।

सहकारिता के प्रमुख बड़े कदम

- पैक्स का कंप्यूटरीकरण
- राष्ट्रीय स्तर पर 3 नए मल्टी स्टेट कोऑपरेटिव सोसाइटी बनाई
- नए मॉडल बाय-लॉज
- पैक्स को बहुउद्देशीय बनाया
- अब पैक्स जन औषधि केंद्र, एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटरशिप, पेट्रोल पंप, कॉमन सर्विस सेंटर खोल सकेंगे
- विश्व की सबसे बड़ी खाद्यान्न भंडारण योजना
- राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस
- शहरी सहकारी बैंक अब नई शाखाएं खोल सकेंगे
- सहकारी समितियों को आयकर में लाभ
- सहकारी समितियों का सरचार्ज-12% से घटाकर 7 फीसदी किया
- अब सहकारी बैंकों को डोर-स्टेप बैंकिंग, आवासीय ऋण की सीमा बढ़ाई
- 1.41 करोड़ लखपति दीदी बनी, 3 करोड़ और बनाने का लक्ष्य

****

Internal (for authorised circulation only)

Downloaded from SAMVAD